भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 29 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) चक्रवाती तूफान "मोंथा" कमजोर होकर एक गहरे दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया और आज सुबह 0830 बजे तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना के ऊपर केंद्रित हो गया।

(ii) पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर दबाव का क्षेत्र।

(iii) उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव में, 29 अक्टूबर को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा और 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, विदर्भ और मराठवाड़ा में, 30 और 31 अक्टूबर को बिहार में, 31 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 29-31 अक्टूबर 2025 के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में बहुत भारी वर्षा होगी।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 29 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- मराठवाड़ा, तेलंगाना, ओडिशा, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पश्चिमी राजस्थान, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पूर्वी राजस्थान, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- भीषण चक्रवाती तूफान, "मोंथा" मध्य रात्रि (28 अक्टूबर 2025 को 2330 बजे IST और 29 अक्टूबर 2025 को 0030 बजे IST) के दौरान, आंध्र प्रदेश और यानन तटों को मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के दक्षिण में, नरसापुर के पास अक्षांश 16.35°N और देशांतर 83.7°E के पास पार कर गया। इसके बाद, यह 10 किमी प्रति घंटे की गति से लगभग उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, कमजोर होकर एक चक्रवाती तूफान में बदल गया और आज, 29 अक्टूबर 2025 को 0230 बजे IST पर, अक्षांश 16.5°N और देशांतर 81.5°E के पास, नरसापुर (आंध्र प्रदेश) से लगभग 20 किमी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 50 किमी उत्तर-पूर्व में, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 90 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 230 किमी दक्षिण-पश्चिम में और गोपालपुर (ओडिशा) से 470 किमी दक्षिण-पश्चिम में केंद्रित हो गया।
- तटीय आंध्र प्रदेश पर चक्रवाती तूफान "मोंथा" पिछले छह घंटों के दौरान 15 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा, एक गहरे दबाव के क्षेत्र में कमजोर हो गया और आज, 29 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना के ऊपर अक्षांश 17.3°N और देशांतर 81.2°E के पास, भद्राचलम (आंध्र प्रदेश) से लगभग 50 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, खम्मम (तेलंगाना) से 110 किमी पूर्व, मलकानगिरी (ओडिशा) से 130 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और जगदलपुर (छत्तीसगढ़) से 220 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में केंद्रित रहा। अगले 6 घंटों के दौरान इसके आंध्र प्रदेश और

उससे सटे तेलंगाना और दक्षिण छत्तीसगढ़ से होते हुए उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और एक दबाव के क्षेत्र में कमजोर पड़ने की संभावना है। पूर्व-मध्य अरब सागर पर कल बना अवदाब पिछले 3 घंटों से लगभग स्थिर बना हुआ है और आज, 29 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में, अक्षांश 17.9°N और देशांतर 69.2°E के पास, मुंबई (महाराष्ट्र) से लगभग 410 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, वेरावल (गुजरात) से 430 किमी दक्षिण-पश्चिम, पंजिम (गोवा) से 560 किमी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, मैंगलोर (कर्नाटक) से 820 किमी उत्तर-पश्चिम, अमिनिदिवी (लक्षद्वीप) से 850 किमी उत्तर-उत्तर-पश्चिम में केंद्रित है। अगले 36 घंटों के दौरान इसके पूर्व-मध्य अरब सागर में उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है।

- निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण हरियाणा और उससे सटे राजस्थान पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण।

- पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक गर्त के रूप में है, जिसका अक्ष समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर है, जो मोटे तौर पर अक्षांश 32°N के उत्तर में देशांतर 75°E के साथ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 29 अक्टूबर को केरल और माहे तथा उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में तथा 29-30 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- 29 अक्टूबर को तेलंगाना में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 29 अक्टूबर को केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में तथा 29 और 30 अक्टूबर को तेलंगाना में बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 29 और 30 अक्टूबर को तमिलनाडु और रायलसीमा में; 29 को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में तथा 29-31 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में बिजली और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय क्षेत्रों में; 30 और 31 को बिहार और झारखंड; 30 अक्टूबर से 01 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 29 अक्टूबर को ओडिशा; 29 और 30 को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़; 29 को पश्चिम मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ भारी बारिश; 30 और 31 को बिहार में और 31 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और 29 अक्टूबर को विदर्भ में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- 29 और 30 को पूर्वी मध्य प्रदेश में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे तक की गति); 29 अक्टूबर को विदर्भ (40-50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ तूफान; अगले 5 दिनों के लिए पश्चिम मध्य प्रदेश में; 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 30 और 31 नवम्बर को विदर्भ; 29 और 30 को छत्तीसगढ़; 29 अक्टूबर से 1 नवम्बर के दौरान गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल और बिहार; 29-31 के दौरान ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 29 और 30 अक्टूबर को झारखंड में बिजली और तूफान की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के दौरान गुजरात राज्य में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है; 29 अक्टूबर को मराठवाड़ा में; 29 से 31 अक्टूबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में बिजली के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है; अगले 2 दिनों तक महाराष्ट्र में भी बिजली गिरने की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तथा 1 नवंबर को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है।
- 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक इस क्षेत्र में बिजली कड़कने के साथ गरज के साथ बारिश हो सकती है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- 30 और 31 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है।
- 30 और 31 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 29 और 30 अक्टूबर को पूर्वी राजस्थान और 29 अक्टूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बिजली के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।
- अगले 5-7 दिनों तक क्षेत्र में तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।

बंगाल की खाड़ी, आंध्र प्रदेश के तट और उससे सटे इलाकों, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण आंतरिक ओडिशा तथा दक्षिण ओडिशा के तट और उससे सटे इलाकों, उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के लिए चेतावनी:

हवा की चेतावनी:

- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश के तट और उससे सटे इलाकों में 29 अक्टूबर की शाम तक 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवा चलने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी।
- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के इलाकों में 29 अक्टूबर की शाम तक 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवा चलने की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: 29 अक्टूबर की दोपहर तक 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवा चलने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी।
- तेलंगाना: 29 तारीख की दोपहर तक 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं और उसके बाद कम हो सकती हैं।
- दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण आंतरिक ओडिशा: 29 तारीख की दोपहर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं और उसके बाद कम हो सकती हैं।
- दक्षिण ओडिशा तट के साथ और उसके आसपास: 29 अक्टूबर की दोपहर तक तेज़ हवाएँ 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो सकती हैं
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों के साथ और उसके आसपास: 29 तारीख की दोपहर तक तेज़ हवाएँ 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं और उसके बाद और कम हो सकती हैं।

समुद्र की स्थिति:

- 29 अक्टूबर की शाम तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके आसपास समुद्र की स्थिति खराब से मध्यम रहने और उसके बाद बेहतर होने की संभावना है। 29 अक्टूबर की शाम तक बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम के आसपास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति मध्यम रहने और उसके बाद सुधार होने की संभावना है।
- 29 अक्टूबर की दोपहर तक दक्षिण ओडिशा तट पर और उसके आसपास समुद्र की स्थिति मध्यम रहने और उसके बाद धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।
- 29 अक्टूबर की दोपहर तक उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों पर और उसके आसपास समुद्र की स्थिति मध्यम रहने और उसके बाद धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर की शाम तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य, आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी के) के आसपास और उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिण ओडिशा के तटों पर न जाएँ।

भारी वर्षा के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई (आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के यनम और समीपवर्ती तेलंगाना)

- फूस के घरों/झोपड़ियों को भारी क्षति। छतें उड़ सकती हैं. अनासक्त धातु की चादरें उड़ सकती हैं।
- बिजली और संचार लाइनों को नुकसान।
- कच्ची सड़कों को बड़ी क्षति और पक्की सड़कों को कुछ क्षति। भागने के मार्गों में बाढ़.
- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े पेड़ों का उखड़ना। केले और पपीते के पेड़ों को बड़े पैमाने पर नुकसान। पेड़ों से बड़ी सूखी शाखाएँ उड़ गईं।
- बाढ़ और तेज़ हवाओं के कारण धान की फ़सलों, बागवानी और खड़ी फ़सलों और बाग़ों को नुकसान।
- भारी वर्षा और अचानक बाढ़ के कारण तटीय ज़िलों के निचले इलाकों में जलभराव।
- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास का बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- जलभराव और तेज़ हवाओं के कारण यातायात में व्यवधान।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी धंसना। इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।
- तटबंधों/नमक पैन को नुकसान।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम के तटीय जिलों में तटीय बाढ़ और तटीय कटाव की भी प्रबल संभावना है।

सुझाई गई कार्रवाई:

- मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करना।
- तटीय झोपड़ियों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना। प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को घर के अंदर ही रहना है।
- मोटर बोटों में आवाजाही असुरक्षित है।
- अपतटीय/तटीय परिचालनों का विवेकपूर्ण विनियमन।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, तुरंत बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें, जलाशयों से बाहर निकल जाएँ और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को विनियमित किया जाएगा।
- भूतल परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जाएगा।

अरब सागर के क्षेत्रों, महाराष्ट्र और गुजरात के तटों के साथ-साथ के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी:

प्रणाली के केंद्र के आसपास 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं और 29 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर में जारी रहेंगी।

30 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों के साथ-साथ के क्षेत्रों में 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं।

समुद्र की स्थिति:

30 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य अरब सागर में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।

उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों के साथ-साथ के क्षेत्रों में खराब समुद्र की स्थिति बनी हुई है और 29 से 30 अक्टूबर के दौरान खराब से बहुत खराब होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य अरब सागर और 30 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर तथा महाराष्ट्र और गुजरात के तटों पर न जाएँ।

भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई (केरल, तटीय कर्नाटक, कोंकण और गोवा और गुजरात राज्य):

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ की शाखाएं टूटना। तेज हवा और भारी बारिश से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान।
- भारी बारिश के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- स्थानीय अचानक बाढ़, भूस्खलन, मिट्टी का खिसकना, भूस्खलन, जलभराव, जलमग्नता और निचले इलाकों में बाढ़ हो सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सतह और हेलीकॉप्टर सेवाएं नियंत्रित हो सकती हैं।
- तेज हवा और भारी बारिश के कारण छोटे जहाजों और देसी नावों पर प्रभाव पड़ सकता है।

सुझाव:

- लोगों को मौसम पर नजर रखने और बिगड़ते हालात के लिए सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने की सलाह।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिरने की संभावना हो सकती है।
- बिजली गिरने की संभावना होने पर, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित करें।
- सतह परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित करें।

ii. 29 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

पिछले 24 घंटों में आज, 29 नवंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा (सेमी में) (≥ 7 सेमी):

- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम:** ओंगोल (जिला प्रकाशम) 25; चिमकुर्थी (जिला प्रकाशम) 24; कवाली (जिला एसपीएसआर नेल्लोर), कंदुकुर (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 22 प्रत्येक; दारसी (जिला प्रकाशम) 19; अडांकी (जिला बापटला) 18; पोडिली (जिला प्रकाशम) 17; कोंकणमित्ला (जिला प्रकाशम) 16; मरकापुर (जिला प्रकाशम) 15; कंबुम (जिला प्रकाशम) 14; मर्रीपुडी (जिला प्रकाशम), राचेरला (जिला प्रकाशम), येरागोंडापलेम (जिला प्रकाशम), मुंडलामुरु (जिला प्रकाशम) 13 प्रत्येक; श्रृंगवरापुकोटा (जिला विजयनगरम), करमचेदु (जिला बापटला), बेस्टावरीपेटा (जिला प्रकाशम), उदयगिरि (जिला विशेष पुलिस स्टेशन नेल्लोर), बापटला (जिला बापटला), विंजामुर (जिला विशेष शाखा नेल्लोर) 12 प्रत्येक; वेलिगंडला (जिला प्रकाशम) 11; अनाकापल्ले एपी (जिला अनाकापल्ली), अर्धवीदु (जिला प्रकाशम), अराकू घाटी (जिला अल्लूरी सीतारमारजू), नेल्लोर (जिला एसपीएसआर नेल्लोर), पिदुगुरल्ला (जिला एसपीएसआर नेल्लोर), सीथारामापुरम (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 10 प्रत्येक; नंदीगामा (जिला एनटीआर जिला), आत्मकूर (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 9 प्रत्येक; संथामागुलुरु (जिला बापटला), पलासा (जिला श्रीकाकुलम), रेपल्ले (जिला बापटला), सोमपेटा (जिला श्रीकाकुलम), पाडेरू (जिला अल्लुरी सीतारमारजू), बोंडापल्ले (जिला विजयनगरम), मेंटाडा (जिला विजयनगरम), जंगमहेश्वरपुरम (जिला पलनाडु), तिरुवुरु (जिला एनटीआर जिला) 8 प्रत्येक; चोदावरम (जिला अनाकापल्ली), मंदसा (जिला श्रीकाकुलम), माचेरला (जिला पलनाडु), गंट्यादा (जिला विजयनगरम), मेराकामुदिदम (जिला विजयनगरम), गुंटूर (जिला गुंटूर) 7 प्रत्येक;
- **रायलसीमा**: श्रीशैलम (जिला नंद्याल) 20; आत्मकुर (जिला नांदयाल) 14; पोरुमामिला (जिला वाईएसआर जिला) 13; जुपादु बंगला (जिला नंद्याल) 12; नंद्याल (जिला नंद्याल), रुद्रवरम (जिला नंद्याल) 11 प्रत्येक; अल्लागड्डा (जिला नंद्याल),

नंदीकोटकुर (जिला नंद्याल) 10 प्रत्येक; पगिड्याला (जिला नंद्याल) 9; बडवेल (जिला वाईएसआर जिला), दोर्निपाडु (जिला नंद्याल) 8 प्रत्येक; गुडूर (जिला तिरूपति), कोइलकुंटला (जिला नंद्याल), अतलूर (जिला वाईएसआर जिला), डुव्वुर (जिला वाईएसआर जिला) 7 प्रत्येक;

- **मराठवाड़ा**: रेनापुर (जिला लातूर) 19; लातूर (जिला लातूर) 11; देवनी (जिला लातूर) 10; गंगाखेड (जिला परभणी), पाथरी (जिला परभणी), परली वैजनाथ (जिला बीड), बदनापुर (जिला जालना) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: अचमपेटा (जिला नागरकुर्नूल) 17; कलवाकुर्थी (जिला नगरकुर्नूल) 16; देवरकोंडा (जिला नलगोंडा) 13; पेद्दा आदिसरलापल्ले (जिला नलगोंडा) 12; दोर्नाकल (जिला महबूबाबाद), वांगूर (जिला नागरकुर्नूल), मिडजिल (जिला महबूबनगर) 11 प्रत्येक; जडचेरला (जिला महबूबनगर) 10; गरला (जिला महबुबाबाद), कोल्लापुर (जिला नगरकुर्नूल), बोनाकल (जिला खम्मम), नगर कुरनूल (जिला नागरकुर्नूल), थोलाडा (जिला खम्मम), थिम्माजिपेटा (जिला नागरकुर्नूल), गोपालपेट (जिला वानापर्थी) 9 प्रत्येक; नागार्जुनसागर (जिला नलगोंडा), मधिरा (जिला खम्मम), मैरीगुडा (जिला नलगोंडा), मट्टमपल्ली (जिला सूर्यापेट), वायरा केवीके (कृषि) (जिला खम्मम) 8 प्रत्येक; वानापर्थी (जिला वानापर्थी), खिला घनपुर (जिला वानापर्थी), बाला नगर (जिला महबूबनगर) 7 प्रत्येक;
- **ओडिशा**: गोसानी (जिला गजपति) 15; पात्रपुर (जिला गंजाम) 12; जयपुर (जिला बालासोर) 11; उदला (जिला मयूरभंज), पुरूषोत्तमपुर (जिला गंजाम) 10 प्रत्येक; पोट्टांगी (जिला कोरापुट), नीलगिरि (जिला बालासोर), बालासोर (जिला बालासोर), गुम्मा (जिला गजपति), सांखीमुंडी (जिला गंजम), औल (जिला केंद्रपाड़ा) 9 प्रत्येक; एनएच5 गोबिंदपुर (जिला बालासोर), महेंद्रगढ़ (जिला गजपति), सोरो (जिला बालासोर), तिहिडी (जिला भद्रक), अस्का (जिला गंजम), बेतानाटी (जिला मयूरभंज), कप्तिपाड़ा (जिला मयूरभंज), पोलसारा (जिला गंजम), औपाडा (जिला बालासोर), दरिंगीबाड़ी (जिला कंधमाल) 8 प्रत्येक; आर.उदयगिरी (जिला गजपति), भुबन (जिला ढेंकनाल), रेमुना (जिला बालासोर), चंदबली (जिला भद्रक), बालीमुंडली (जिला मयूरभंज), हताडीही (जिला क्योंझरगढ़), शेरगडा (जिला गंजम), जीबी नगर (जिला मयूरभंज), हिंजिली (जिला गंजम) 7 प्रत्येक;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: भालकी (जिला बीदर) 9; औराद (जिला बीदर) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: कोंताई (जिला पूर्वी मिदनापुर) 8;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: नलुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 7;
- **पूर्वी राजस्थान**: डूंगला एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 7;
- **बिहार**: डोभी (जिला गया) 7.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Oct	30- Oct	31- Oct	1- Nov	2- Nov	3- Nov	4- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	SCT	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	WS	WS	FWS	SCT	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	FWS	WS	FWS	ISOL	ISOL	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
7	ODISHA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	WS	WS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	WS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
29	TELANGANA	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

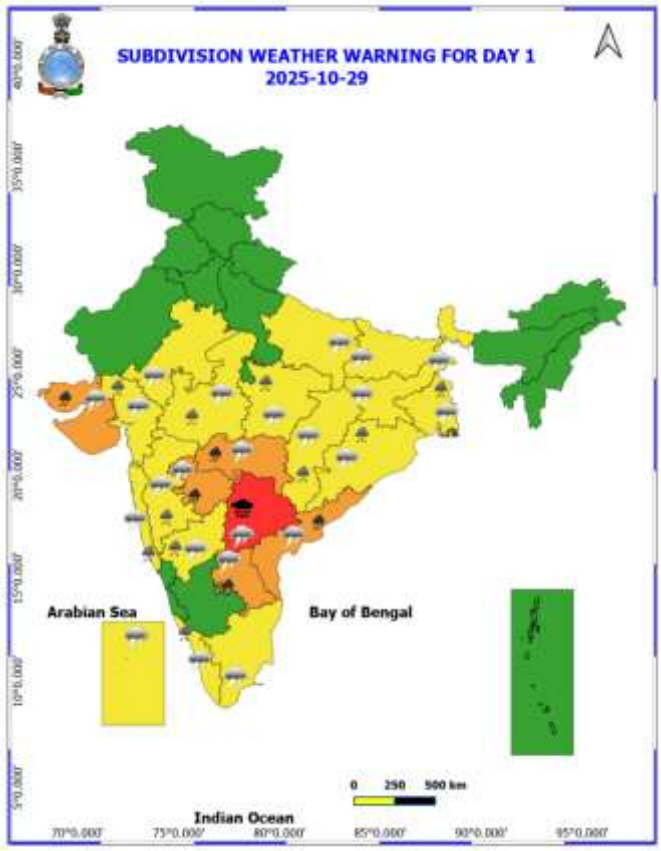
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

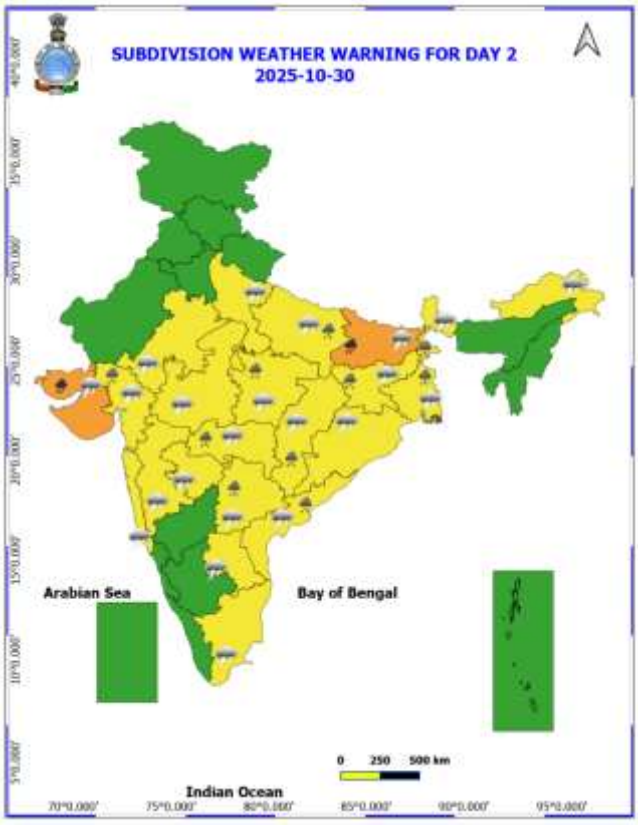
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

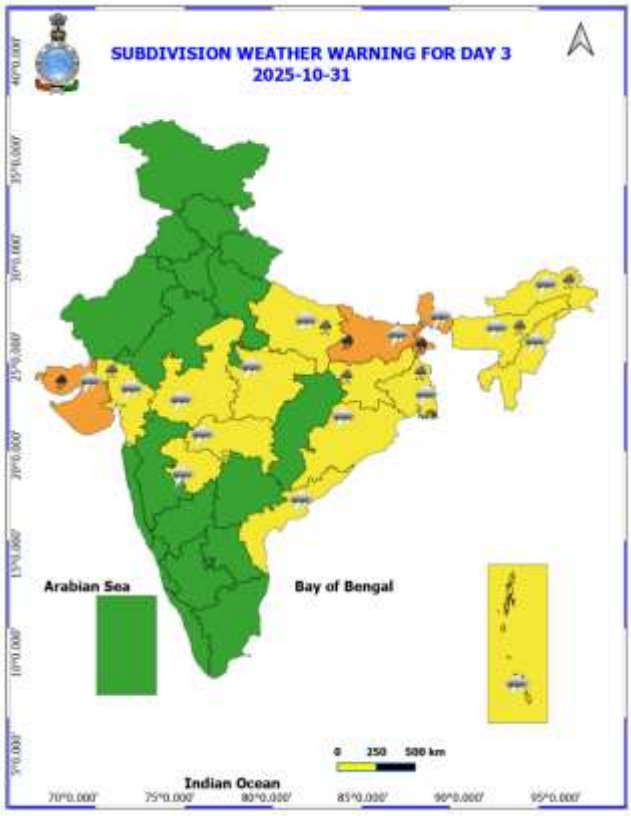
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

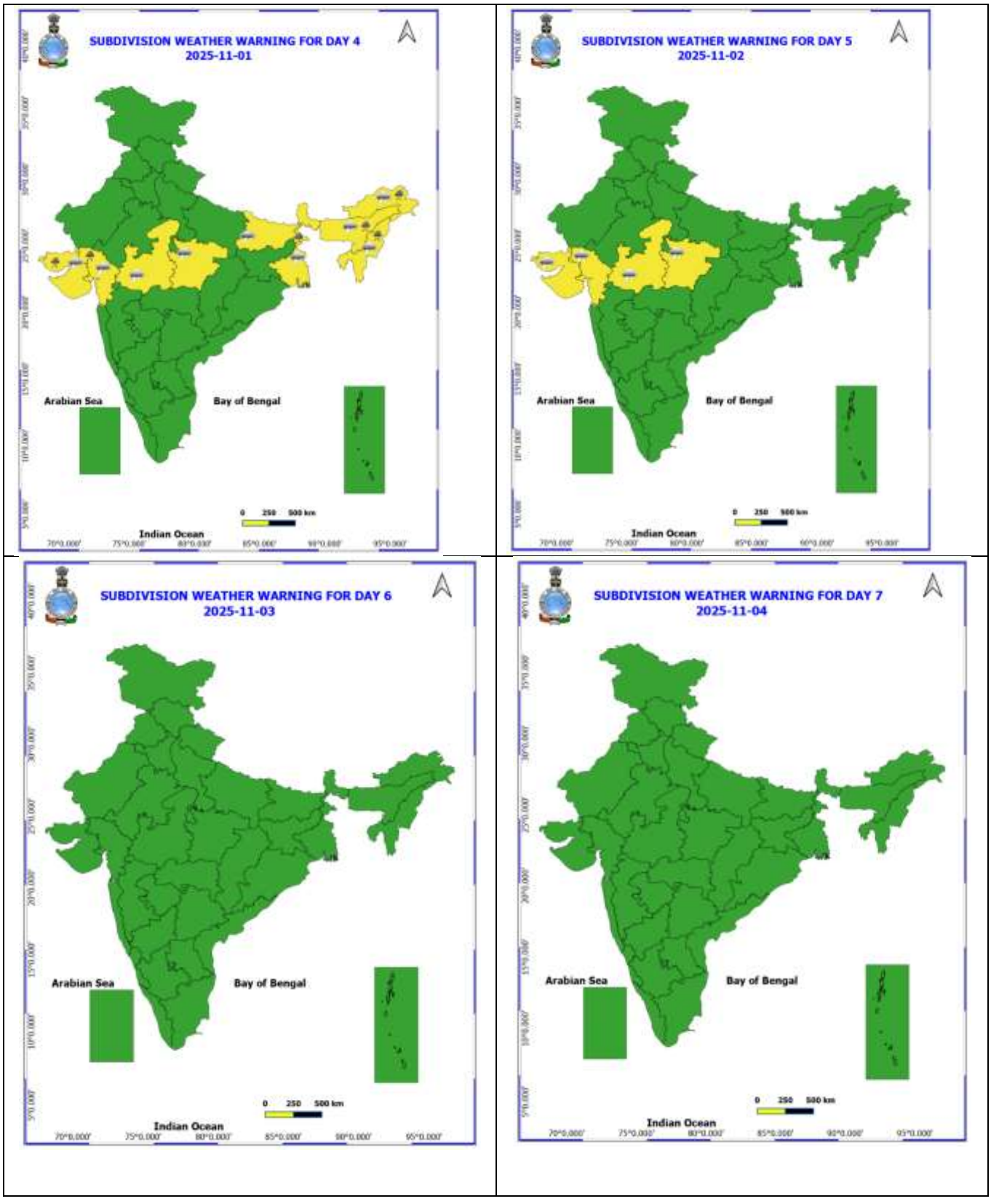

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

29 अक्टूबर से 1 नवंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस तक और अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 से 26 डिग्री सेल्सियस और 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहा और अधिकतम तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से आने वाली सतही हवा के साथ सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और धीरे-धीरे बढ़कर 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच जाएगी। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली शांत हवा के साथ सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच जाएगी।

मौसम पूर्वानुमान:

29.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम से धुंध/धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटे तक कम हो जाएगी।

30.10.2025: सुबह के समय धुंध के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 31 डिग्री सेल्सियस और 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

31.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

01.11.2025: सुबह के समय धुंध/धुंध के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32°C और 16 से 18°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से प्रमुख सतही हवाएँ 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। उत्तर दिशा से प्रमुख सतही हवाएँ शांत हवा के साथ चलने की संभावना है जो शाम और रात के दौरान धीरे-धीरे कम होकर 5 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी।

अत्यधिक भारी और बहुत भारी बारिश के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाव:

- ❖ 29 अक्टूबर को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को मराठवाड़ा, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में; 29-31 अक्टूबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ; 30 और 31 अक्टूबर को बिहार और 31 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- उपरोक्त क्षेत्रों में सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात में व्यवधान, जिससे यात्रा समय में वृद्धि।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।

- स्थानीय भूस्खलन/मिट्टी का खिसकना/भूस्खलन/मडस्लिप/लैंडसिंक/मडसिंक।
- जलमग्नता के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुछ नदी घाटियों में नदी बाढ़ का कारण बन सकता है (नदी बाढ़ के लिए कृपया CWC की वेबसाइट देखें)।

सुझाव:

- अपने गंतव्य के लिए निकलने से पहले अपने मार्ग पर यातायात जाम की स्थिति की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- कमजोर संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **तेलंगाना** में, भारी वर्षा के दौरान कपास की परिपक्व फसल की कटाई न करें और पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खेतों में रखी हुई मक्का और सोयाबीन की पहले से कटी हुई फसल को तिरपाल से ढक दें या किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें। धान, कपास, अरहर, मूंग, मूंगफली, हल्दी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **आंध्र प्रदेश** में, भारी वर्षा के दौरान मूंगफली और मक्का की फसल की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, गन्ना, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, आम, काजू, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों (रबी मक्का, बंगाल चना आदि) की बुवाई न करें।
- **केरल** में, धान की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, अदरक एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **ओडिशा** में, धान, उड़द, मूंग, अरहर, मक्का, मूंगफली, कपास, गन्ना और सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। रबी फसलों (रबी दलहन, सब्ज़ियाँ आदि) की बुवाई / रोपण बारिश बंद होने तक स्थगित रखें।
- **पश्चिम बंगाल** में, धान, मूंगफली, दालों, अदरक और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **झारखंड** में, धान की परिपक्व फसल की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **बिहार** में, धान और मक्का की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, धान और सब्जियों की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **गुजरात** में, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, मक्का, बाजरा और सब्जियों (टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी, खीरा आदि) की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, लघु अनाज, मक्का, उड़द, कुलथी, मूंगफली और अरहर की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, धान, मक्का और सोयाबीन की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **कोंकण** में, धान और रागी की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। **मध्य महाराष्ट्र** में, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और बाजरा की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। **मराठवाड़ा** में, कपास की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही जारी रखें तथा कपास और सोयाबीन की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। **विदर्भ**

में, कपास की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही जारी रखें और धान, सोयाबीन और कपास की पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें; यदि भंडारण संभव न हो तो उपज को प्लास्टिक या तिरपाल शीट से ढक दें। **पूर्वी विदर्भ** में, भारी वर्षा के दौरान परिपक्व धान की कटाई स्थगित रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन

30-10-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

तेलंगाना - जगतियाल, निर्मल, निज़ामाबाद और राजन्ना सिरसिला जिले।

मराठवाड़ा - हिंगोली, नांदेड़ और परभणी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

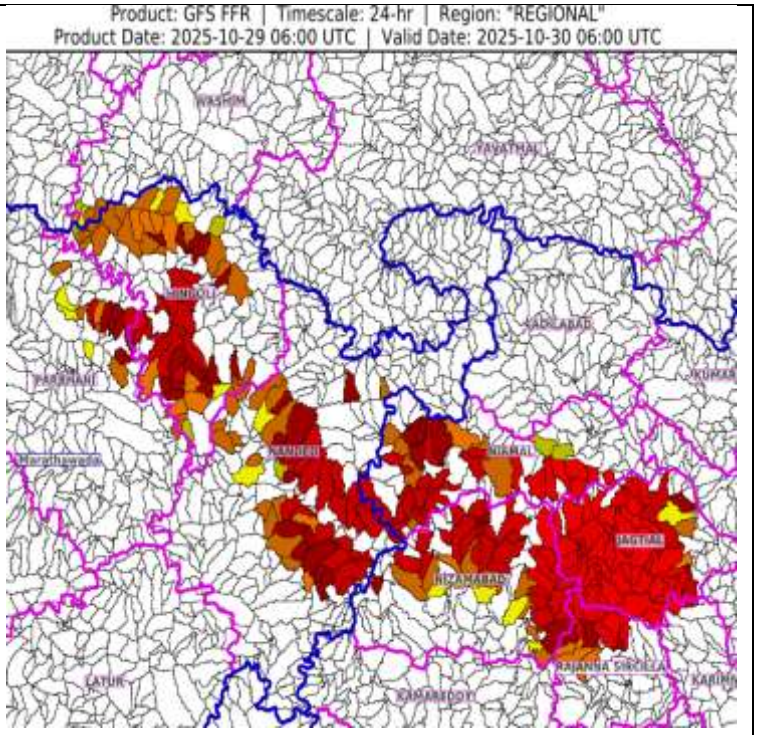

- **किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**
  - **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

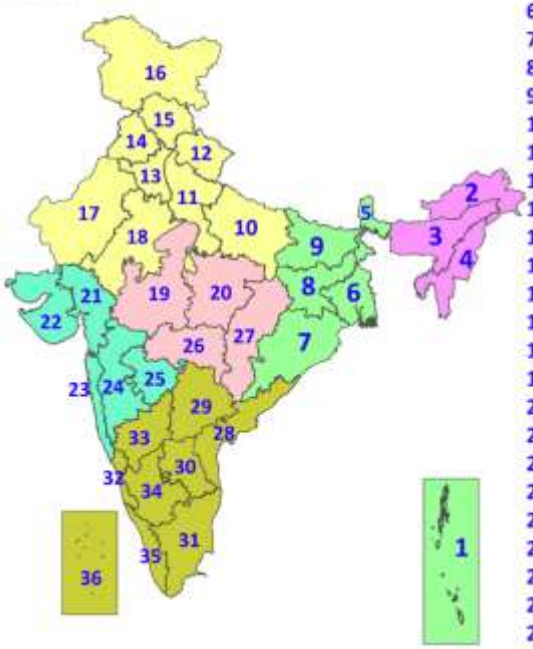

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)